No. of Printed Pages : 4 **BMAF–001**

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम

# ( बी. डी. पी. )

# सत्रांत परीक्षा

# जून, 2024

## बी.एम.ए.एफ.-001 : मैथिली में आधार पाठ्यक्रम

*समय : 2 घण्टे* *अधिकतम अंक : 50*

---

**नोट :** सभ प्रश्नक उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी मे लिखू।

---

1. एहि शब्दक देशज रूप लिखू :— 5

   (क) अपूप

   (ख) उपाध्याय

   (ग) लवण

   (घ) पुस्तक

   (ङ) वर्तिका

2. एहि शब्दक पर्यायवाची लिखू : — 5

   (क) बेगम

   (ख) दिवाकर

(ग) राकेश

(घ) पंकज

(ङ) असत्य

3. एहि शब्दक वाक्य बनाउ :— 5

(क) डोरही

(ख) उगहनि

(ग) कनोजरि

(घ) ढेकुल

(ङ) अनमुन

4. वाक्य बनबैत एहि कहौतक अर्थ स्पष्ट करू:— 5

(क) पिठिया ठोक

(ख) मोन खनहन

(ग) बासन अजबारल

(घ) हंसी उड़ायब

(ङ) घोघ तानब

5. ई पाबनि कहिया-कहिया मनाओल जाइछ:— 5

(क) सिरपंचमी

(ख) बासि पाबनि

(ग) चौरचन

(घ) उक्का-पाती

(ङ) सुकराती

6. निम्नलिखित अवतरणक 150 शब्द मे व्याख्या करू:— 7

(क) दुइ फेंड़ बला बुढ़वा सिनुरिया गाछ...

कोनइला तर ठाढ़ छी—
करइ अछि आकृष्ट मनकें
डारि पर लटकल सिनुरिया आम
काल्हि परसू आ कि चारिम दिन जएतइ पाकि
पाबि सिहकी रात्रिशेषक
टब्भ दए खसि पड़त चुप्पेचाप
के कहओ लगतैक ककश हाथ
किछु होअओ भावीक चिन्ता नहि करी
एखन तँ मारकल नयनकें जुड़ा ली तत्काल
दिव्य ओ अभिराम
करइ अछि आकृष्ट मनके
डारि पर लटकल सिनुरिया आम।

**अथवा**

बेटिक गहना बन्हकी रखने जँ चरिम रहलै काज
ध्म-धामसँ श्राद्ध हैत आ गदगद हैत समाज
फल्लाँ बाबू मुइला, कयलनि चिल्लाँ बाबू भोज
आगाँ-पाछाँ जेहो क्योंकि काज करै अछि रोज ?
बापक अरजल खेत राखि सुदमरना करी विदाइ
गौआँ-घरुआ, सर-कुटुम्ब आ हर्षित हाथि जमाय

की करबै लय बिका जाइ जँ गाछी आ बँसबारि
कन्यादान करब तेहने हाँ पढ़य ने गौआँ गारि
गोलेदारक वा मरबा ड़िक बढ़ल जाइछ जँ कर्ज
मुदा हेत उपनयन ठाढसँ जेहन मुंडन मेल
की ने करै अछि लोक कहतँ अपना इज्जति लेल ?
नोत-पिहानी पुरी वा पाहुन-परक आबि जँ जाथि
भार-दोर दी वा कोनहुना घर पर दू जन खाथि
इज्जति टा रहि जाय, करब तेहन सब स्वार्थ-परार्थ
मुदा आइ धरि के बुझलक जे इज्जति कोन पदार्थ ?

7. 'ग्रामसेविका' शीर्षक गल्पक विषय-वस्तुसँ परिचय कराउ। 7

8. तीन सच शब्द मे कोनो **एक** साहित्यिक विभूतिक साहित्यिक परिचय कराउ:— 7

   (क) ज्योतिरी श्वर

   (ख) मनबोध

   (ग) रामदेव झा

9. कोनो **एक** विषय पर निबन्ध लिखू:— 4

   (क) पत्र लेखनक प्रकार

   (ख) पुस्तकालयक महत्त्व

   (ग) लरिमत कलाक भिन्न-भिन्न स्वरूप